भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4371
27 मार्च, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

स्वच्छ सर्वेक्षण का 9वां संस्करण

4371. श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्री आलोक शर्माः
श्री महेश कश्यपः
श्री प्रवीण पटेलः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वच्छ सर्वेक्षण के 9वें संस्करण में कितने शहरों के भाग लेने की संभावना है;

(ख) सभी शहरी क्षेत्रों में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) स्वच्छता और साफ-सफाई को मापने के लिए इस संस्करण में शुरू की गई नवीन प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) और (ख) : आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) ने शहरी स्वच्छता सुधारों का मूल्यांकन करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण सर्वे शुरू किया। पहला सर्वेक्षण 2016 में शहरों के नमूने के लिए किया गया था, उसके बाद लगातार संस्करण जारी किए गए।

इस गति को आगे बढ़ाते हुए, स्वच्छ सर्वेक्षण के 9वें संस्करण के तहत, 31 दिसंबर, 2023 को या उससे पहले अधिसूचित सभी यूएलबी अर्थात 4862 शहर/यूएलबी मूल्यांकन के लिए पात्र हैं। राज्य-वार विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) : आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 'रिड्यूस रीयूज रीसाइकिल' विषय पर 17 जनवरी, 2025 को स्वच्छ सर्वेक्षण, 2024 के लिए टूलकिट लॉंच की। शहरी स्थानीय निकायों को

नियमित रूप से अपनी मासिक प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) को अपडेट करना होगा, जिसे तीसरे पक्ष के मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा अंतिम रैंक निर्धारित करने से पहले नागरिक फीडबैक के माध्यम से मान्यता दी जाएगी। टूलकिट जारी होने के बाद, 15 फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय मूल्यांकन शुरू हो गया है।

इस संस्करण में निम्नलिखित नई विशेषताएं शामिल की गई हैं:

1. जनसंख्या के आधार पर शहरों के मूल्यांकन के लिए संकेतकों का अलग मैट्रिक्स – रैंकिंग के लिए शहरों को उनकी जनसंख्या के आधार पर 5 श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

बहुत छोटे शहर	छोटे शहर	मध्यम शहर	बड़े शहर	मिलियन प्लस शहर
< 20,000	20,000 <50,000	50,000 < 3 लाख	3 लाख < 10 लाख	10 लाख या उससे अधिक

2. 10 खंडों में सरल संकेतक - स्वच्छ सर्वेक्षण, 2024 के तहत स्कोरिंग को 10 खंडों अर्थात दृश्यमान स्वच्छता, पृथक्करण, अपशिष्ट का संग्रहण और परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता तक पहुंच, प्रयुक्त जल प्रबंधन, मल जल निकासी सेवाओं का मशीनीकरण, स्वच्छता समर्थन, पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाना और संस्थागत मानदण्ड, स्वच्छता कामगारों का समग्र कल्याण और नागरिक प्रतिक्रिया एवं शिकायत निवारण आदि में विभाजित किया गया है।

3. "सुपर स्वच्छ लीग" की शुरुआत - सुपर स्वच्छ लीग की शुरुआत उन शहरों को मान्यता देने के लिए की गई है, जो असाधारण प्रदर्शन करते हैं। अपने पिछले स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग के आधार पर (एसएस21, एसएस22 और एसएस23) वर्तमान वर्ष के लिए इस लीग का हिस्सा बन गए हैं। उनका मूल्यांकन स्वच्छ सर्वेक्षण के अतिरिक्त अन्य मापदंडों पर भी किया जाएगा।

4. परियोजना शुरू करने, सीटीयू परिवर्तन के लिए शुरू किए गए नए संकेतक- ये संकेतक एसबीएम के तहत सभी स्वीकृत परियोजनाओं की मैपिंग के लिए यूएलबी के अनुपालन प्रतिबद्धता मूल्यांकन और यह मूल्यांकन करने के लिए शुरू किए गए हैं कि स्वच्छता ही सेवा के दौरान पहचान की गई और बेहतर बनाई गई स्वच्छता लक्ष्य इकाइयां कचरा हॉटस्पॉट बनने एवं इधर उधर फैले कचरे से मुक्त हैं।

5. पर्यटकों और अधिक आवागमन वाले स्थानों पर विशेष ध्यान - यूएलबी के अधिकार क्षेत्र में पर्यटक आकर्षण, स्मारक और पार्क, स्ट्रीट फूड जोन, विक्रय क्षेत्र जैसे अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों की स्वच्छता और उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने के लिए।

6. स्कूल स्तर पर मूल्यांकन की शुरूआत - देश में पीढ़ीगत बदलाव लाने के लिए विद्यार्थियों में बचपन से ही स्वच्छता बनाए रखने की आदत विकसित करने के लिए।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के सभी संकेतकों के संबंध में स्कोरिंग और मान्य मैट्रिक्स से संबंधित विस्तृत ब्यौरे वाली स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 टूलकिट https://sbmurban.org पर उपलब्ध है।

*****

अनुलग्नक

"स्वच्छ सर्वेक्षण के 9वें संस्करण" के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4371 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	जनसंख्या श्रेणी					कुल
		बहुत छोटे शहर (< 20,000)	छोटे शहर (20,000 < 50,000)	मध्यम शहर (50,000 < 3 लाख)	बड़े शहर (3 लाख < 10 लाख)	मिलियन प्लस शहर (10 लाख या अधिक)	
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0	0	1	0	0	1
2	आंध्र प्रदेश	0	49	67	6	2	124
3	अरुणाचल प्रदेश	44	3	1	0	0	48
4	असम	57	25	13	1	0	96
5	बिहार	70	125	63	4	1	263
6	चंडीगढ़	0	0	0	1	0	1
7	छत्तीसगढ़	123	30	12	3	1	169
8	दमण दीव और दादरा नगर हवेली	0	2	1	0	0	3
9	दिल्ली	0	0	2	0	1	3
10	गोवा	8	4	2	0	0	14
11	गुजरात	31	74	51	4	4	164
12	हरियाणा	24	36	25	4	1	90
13	हिमाचल प्रदेश	59	7	2	0	0	68
14	जम्मू और कश्मीर	60	13	5	1	1	80
15	झारखंड	6	24	17	1	2	50
16	कर्नाटक	121	129	55	10	1	316
17	केरल	2	54	33	5	0	94
18	लद्दाख	1	1	0	0	0	2
19	मध्य प्रदेश	212	110	56	1	4	383
20	महाराष्ट्र	163	165	66	17	10	421
21	मणिपुर	21	5	1	0	0	27
22	मेघालय	5	3	2	0	0	10
23	मिजोरम	21	5	2	0	0	28
24	नागालैंड	31	6	2	0	0	39
25	ओडिशा	51	41	19	4	0	115
26	पुदुचेरी	0	1	3	1	0	5
27	पंजाब	83	44	35	2	2	166
28	राजस्थान	67	117	47	9	2	242
29	सिक्किम	6	0	1	0	0	7
30	तमिलनाडु	410	158	71	9	3	651
31	तेलंगाना	40	60	40	2	1	143
32	त्रिपुरा	14	5	0	1	0	20
33	उत्तर प्रदेश	306	331	118	14	8	777
34	उत्तराखंड	77	18	15	1	0	111
35	पश्चिम बंगाल	14	29	75	10	3	131
	कुल	2127	1674	903	111	47	4862

****